गोविंदराम मेघवाल पर कार्रवाई को लेकर कांग्रेस हाईकमान असमंजस में, प्रदेश कांग्रेस सख्त

बीकानेर जिला प्रमुख चुनाव में उनकी बेटी सरिता चौहान ने कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ा था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । बीकानेर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई को लेकर प्रदेश कांग्रेस और पार्टी हाईकमान के सामने असमंजस की स्थिति है। बीकानेर जिला प्रमुख चुनाव में उनकी बेटी सरिता चौहान के कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने के मामले ने पार्टी में विवाद खड़ा कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस इस पूरे प्रकरण की रिपोर्ट तैयार कर दिल्ली हाईकमान को भेज रही है। मेघवाल को नोटिस देकर स्पष्टीकरण भी मांगा गया है, जबकि उनकी बेटी को उसी दिन छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया था।

प्रदेश कांग्रेस के संगठन से जुड़े नेताओं का आरोप है कि जिला प्रमुख चुनाव में मेघवाल की गतिविधियां पार्टी के लिए नुकसानदायक रहीं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरिता चौहान से नामांकन वापस कराने के लिए मेघवाल से बातचीत की थी।

- **इस पर प्रदेश कांग्रेस ने सरिता चौहान को 6 साल के लिए निलंबित किया; मेघवाल को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा, रिपोर्ट दिल्ली भेजने की तैयारी**

बताया जाता है कि मेघवाल ने बेटी को मनाने का प्रयास करने की बात कही थी, लेकिन साथ ही जिला प्रमुख पद पर उनके परिवार का भी हक बताया था। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी मेघवाल से बातचीत का प्रयास किया, लेकिन बाद में मीडिया से कहा कि उन्होंने उनका फोन नहीं उठाया।

बीकानेर में मेघवाल की राजनीतिक पकड़ भी चुनौती

हालांकि शुक्रवार को पंचायत समिति प्रधान चुनाव में मेघवाल अपने निर्वाचन क्षेत्र की पंचायत समितियों में कांग्रेस के चुने हुए सदस्यों को पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान कराने में सफल रहे। बीकानेर जिला परिषद और पंचायत समितियों के वार्ड सदस्य चुनाव में भी उन्होंने जिन लोगों को टिकट दिलवाया था, उनमें से कई उम्मीदवार चुनाव जीतने में सफल रहे। यही वजह है कि बीकानेर संभाग के बड़े दलित नेता और कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य मेघवाल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करना हाईकमान के लिए आसान नहीं माना जा रहा।

बीकानेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल भी गोविंदराम मेघवाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई के पक्ष में बताए जा रहे हैं। शहर कांग्रेस की ओर से भी प्रदेश कांग्रेस को रिपोर्ट भेजे जाने की बात सामने आई है। जिला कांग्रेस का एक बड़ा धड़ा मेघवाल को पार्टी से हटाने की मांग कर रहा है, लेकिन प्रदेश कांग्रेस का मानना है कि उनके खिलाफ अंतिम निर्णय दिल्ली हाईकमान ही करेगा।

8 से 10 दिसंबर तक मनेगा प्रवासी राजस्थानी दिवस

देश-विदेश के 7500 से अधिक लोगों ने पंजीकरण करवा चुके



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेकर प्रवासी राजस्थान दिवस की तैयारियों पर चर्चा की।

जयपुर (कासं)। राजस्थान की विरासत, विकास और निवेश की संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने के लिए इस बार प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन तीन दिवसीय होगा। 8 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम में देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों और निवेशकों में खासा उत्साह है। अब तक 7500 से अधिक लोगों ने इसमें शामिल होने के लिए पंजीकरण कराया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर हो रहे आयोजन की तैयारियों की शुक्रवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में समीक्षा की और सभी विभागों को निर्धारित समय में कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

- **मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों से की तैयारियों पर चर्चा**
- **10 दिसंबर को पर्यटन, उद्योग, ऊर्जा और खनन सहित छह विशेष सत्र होंग**

मुख्य सचिव ने कहा कि आयोजन में विकास भी, विरासत भी की झलक दिखाई देनी चाहिए। राजस्थान की भव्य विरासत और विकास को विभिन्न माध्यमों से प्रदर्शित किया जाए, ताकि प्रवासियों को अपनापन महसूस हो और वे अच्छी यादें लेकर लौटें। उन्होंने मुख्य आयोजन और विशेष सत्रों की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, राजस्थान फाउंडेशन, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी कार्य विभाग, परिवहन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, ऊर्जा, शहरी विकास, पर्यटन, माइंस तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर को छह विशेष सत्र आयोजित होंगे। इनमें पर्यटन, शहरी विकास, उद्योग, ऊर्जा, माइनिंग और प्रवासी राजस्थानी संवाद शामिल हैं। इन सत्रों में विकसित राजस्थान-2027 की थीम के अनुरूप भविष्य की तस्वीर प्रस्तुत की जाएगी। विशिष्ट अतिथियों के वीवीआईपी मूवमेंट, सुरक्षा, प्रोटोकॉल, आवास, परिवहन और अतिथि सत्कार की विशेष व्यवस्थाएं करने के निर्देश भी दिए। जयपुर में सफाई अभियान, सड़कों की मरम्मत, रोशनी और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों के सौंदर्यीकरण का कार्य समय पर पूरा करने को कहा।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में 10 दिसंबर को प्रतिवर्ष प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसी क्रम में दूसरा प्रवासी राजस्थानी दिवस आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत 8 दिसंबर को झुंझुनूं के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में शेखावाटी हेरिटेज मीट होगी। 9 दिसंबर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में प्रवासी सांस्कृतिक संध्या और 10 दिसंबर को जयपुर के जेईसीसी में मुख्य आयोजन होगा। प्रवासियों को आमंत्रित करने के लिए कोलकाता, भुवनेश्वर, बेंगलुरु और गुवाहाटी में प्रवासी राजस्थानी मीट आयोजित की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने 16 अक्टूबर को जयपुर में प्रवासियों के साथ संवाद भी किया था, जिसमें देश-विदेश में बसे प्रवासी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

बाल विवाह के खिलाफ धरातल पर एक्शन की जरूरत : दिया कुमारी

बाल विवाह गरीबी का नहीं, मानसिकता और आघात का विषय है : शासन सचिव पूनम

जयपुर । बाल विवाह की कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए इसे जन-आंदोलन बनाना होगा। अब भाषण नहीं, धरातल पर एक्शन की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सरकार के साथ बेटियों ने भी कर दी है। यह केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों और बेटों के सम्मान, अधिकार और राजस्थान के उज्ज्वल भविष्य का संकल्प है। उप मुख्यमंत्री एवं महिला और बाल विकास तथा बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के दो वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में यह बात कही।

भगत सिंह मेहता सभागार, एचसीएम रीपा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दिया कुमारी ने बाल विवाह के खिलाफ संघर्ष करने वाली साहसी बालिकाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" अभियान की तरह बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को भी सफल बनाना है। बाल विवाह दंडनीय अपराध है। इसकी जानकारी मिलने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर कॉल करें। सभी को इस अभियान का चैंपियन और ब्रांड एंबेसडर बनना होगा।

शासन सचिव पूनम ने कहा कि बाल विवाह गरीबी का नहीं, मानसिकता और आघात का विषय है। बच्चियों को गृहस्थी नहीं, बल्कि डॉक्टर, शिक्षक और वैज्ञानिक बनने का अवसर मिलना चाहिए। राजस्थान को 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य है। बाल अधिकारिता विभाग की नई कार्ययोजना के तहत जनवरी 2026 में ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी और संस्था प्रधानों को भी बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी (सीएमपीओ) बनाया गया है तथा निषेधाज्ञा लेना अनिवार्य किया गया है। मिशन वात्सल्य और कवच से पंचायत स्तर पर संरक्षण मजबूत किया गया है। बीवीएमआर पोर्टल को शाला दर्पण से जोड़ने का प्रस्ताव है। राष्ट्रीय स्तर पर 71,842 सीएमपीओ और 42 लाख से अधिक संकल्प प्राप्त हुए हैं।



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और शासन सचिव पूनम ने बाल विवाह रोकथाम मुहिम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में "बचपन बचाएंगे, बाल विवाह मिटाएंगे" संदेश के साथ जागरूकता मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बीवीएमआर पोर्टल एवं आईईसी सामग्री का विमोचन हुआ। अभियान के थीम गीत बचपन को मिले उड़ान, बाल विवाह मुक्त राजस्थान का भी लोकार्पण किया गया।

यूएनएफपीए की चेंज एजेंट बालिकाएं सम्मानित

यूएनएफपीए से जुड़ी मनोज कुमारी, हर्षिता मेघवंशी, मयंक सिंह, अंजू, अरबिया, हर्षिता (ब्यूटीशियन), आयशा और आरुषि बैरवा को सम्मानित किया गया। आयशा ने छह बाल विवाह रुकवाए हैं। बाल विवाह रोकथाम में अनुकरणीय कार्य के लिए यूएनएफपीए को भी प्रशस्ति पत्र दिया गया।

सवाई माधोपुर की कविता मीणा की प्रेरक कहानी

"बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" की ब्रांड एंबेसडर कविता मीणा ने बताया कि 2018 में यूएनएफपीए से जुड़कर उन्होंने अपनी बहन और राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी सहेली का बाल विवाह रुकवाया। उनके प्रयासों से उनकी ग्राम पंचायत बाल विवाह मुक्त है। पंचायत की अनंता और ज्योति जैसी बेटियां कजाकिस्तान में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। कार्यक्रम में शासन सचिव पूनम, सरदार पटेल पुलिस यूनिवर्सिटी जोधपुर के कुलगुरु आलोक त्रिपाठी, आयुक्त बाल अधिकारिता निकया गोहाएन, आयुक्त विशेष योग्यजन इकबाल खान, यूएनएफपीए की त्रिशा पारीक एवं अंतरा त्रिवेदी सहित अधिकारी, गैर सरकारी संगठन प्रतिनिधि, मीडियाकर्मी और बच्चे उपस्थित रहे।

पीटीआई भर्ती में विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट वेबसाइट पर अपलोड करने के आदेश

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने पीटीआई भर्ती-2022 की उत्तर कुंजी को चुनौती देने के मामले में उत्तर कुंजी से संबंधित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही कहा है कि विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के नाम सार्वजनिक नहीं किए जाएं। जस्टिस अनूप कुमार ने यह निर्देश जुबेर खान की याचिका को निस्तारित करते हुए दिए। इस मामले में पूर्व में अदालत ने 19 अप्रैल 2023 को विवादित प्रश्न-उत्तरों की जांच विशेषज्ञ समिति से करवाने का निर्देश दिया था। याचिका से जुड़े अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि याचिका में उत्तर कुंजी में गलत विकल्प निर्धारित करने, प्रश्नों के उत्तर बदलने तथा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं करने का मुद्दा उठाया गया था। याचिका में अदालत से आग्रह किया गया था कि विवादित प्रश्नों एवं उत्तर कुंजी की विशेषज्ञों से निष्पक्ष जांच करवाई जाए और अभ्यर्थियों के हित में विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए। जिस पर हाईकोर्ट ने विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए कहा है।

शातिर नकबजन पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। वैशाली नगर थाना पुलिस ने नकबजनी की वारदातों का खुलासा करते हुए आधा दर्जन से अधिक मामलों में वांछित शातिर आरोपी पवन मीणा को कोटा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पूछताछ में आरोपी ने जयपुर पश्चिम के साथ जयपुर पूर्व और जयपुर दक्षिण जिलों में भी कई चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है। पुलिस अब आरोपी से चोरी का माल बरामद करने और अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशान्त किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पवन मीणा (30) पुत्र स्वर्गीय गोवर्धन मीणा मूल रूप से गांव बमोर, थाना टोंक सदर का निवासी है। वह वर्तमान में कोटा शहर के भीमगंज मंडी थाना क्षेत्र में डडवाड़ा स्थित इमानुअल स्कूल के सामने राजेन्द्र होटल में किराए पर रह रहा था।

कैंसर की नई उपचार तकनीकों पर जयपुर में होगा मंथन

जयपुर। कैंसर के उपचार में हो रहे नवीनतम शोध, विकसित हो रही दवाओं और आधुनिक चिकित्सा पद्धितयों पर चर्चा के लिए जयपुर में दो दिवसीय 'बेस्ट ऑफ ईएसएमओ इंडिया 2026' कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। एचसीजी कैंसर सेंटर जयपुर की ओर से ग्लोबल हेल्थकेयर एकेडमी के माध्यम से 28 और 29 नवंबर को आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में कैंसर रोग विशेषज्ञों और ऑन्कोलॉजी क्षेत्र से जुड़े करीब 300 चिकित्सा पेशेवर हिस्सा ले रहे हैं। कॉन्फ्रेंस में नए उपचारों और पद्धितयों को भारतीय चिकित्सा दिशानिर्देशों में शामिल करने की संभावनाओं पर भी मंथन होगा।

आयोजन अध्यक्ष डॉ. नरेश सोमानी और सचिव डॉ. जितेंद्र पहलजानी के नेतृत्व में हो रही इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य कैंसर उपचार के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही वैज्ञानिक प्रगति और आधुनिक तकनीकों से चिकित्सा विशेषज्ञों को अवगत कराना है।

कैंसर पैथोलॉजी कार्यशाला की आयोजन सचिव डॉ. इशिता गुप्ता ने एनजीएस (नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग) जैसी अत्याधुनिक जांच पद्धितयों में हो रही प्रगति की जानकारी दी। वहीं, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ और रेडियोथेरेपी कार्यशाला की सचिव डॉ. मीतू जैन की टीम नई तकनीकों से रेडियोथेरेपी करने के तरीकों पर जानकारी देगी। कैंसर सर्जन डॉ. कपिल देव ने बताया कि एडवांस्ड ओवेरियन और आंतों के कैंसर में एचआईपीईसी (हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी) जैसी जटिल सर्जरी पर पार्क अस्पताल, मानसरोवर में कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

चौथ का बरवाड़ा में प्रधान का जीता हुआ चुनाव हारी कांग्रेस

इस पंचायत समिति में 21 में से 14 सीटों पर जीती थी कांग्रेस ने, लेकिन प्रत्याशी राजी देवी को सिर्फ ख़ुद का वोट मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सवाईमाधोपुर की चौथ का बरवाड़ा पंचायत समिति में प्रधान पद के लिए कांग्रेस प्रत्याशी राजी देवी को उनकी ही पार्टी के नेताओं ने जीता हुआ चुनाव हरवा दिया। राजी देवी ने पूर्व विधायक अशोक बैरवा पर साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि कुल 21 वार्डों वाली इस पंचायत समिति में 14 सीटों पर कांग्रेस ने फतह हासिल की थी, पार्टी ने राजी देवी को प्रधान के लिए प्रत्याशी बनाया था। यहाँ पर पार्टी की एक तरफ़ा जीत तय थी, परंतु शुक्रवार को हुए मतदान में कांग्रेस से बागी होकर प्रधान का चुनाव लड़ने वाले शंकर लाल गुर्जर को 14 वोट मिल गए। यानी कि कांग्रेस के 14 सदस्यों में से 13 वोट और एक अन्य वोट शंकर के पक्ष में पड़े।

- **प्रधान प्रत्याशी राजी देवी ने कांग्रेस के पूर्व विधायक अशोक बैरवा पर साज़िश रचकर चहेते शंकर गुर्जर को बागी चुनाव जितवाने का आरोप लगाया**

कांग्रेस उम्मीदवार राजी देवी का आरोप है कि पूर्व विधायक अशोक बैरवा ने साजिश रचकर कांग्रेस के साथ गद्दारी की है और उन्हें चुनाव हरवाया है। उनका कहना है कि अशोक बैरवा अपने चहेते शंकर गुर्जर को ही प्रधान का टिकट दिलवाना चाहते थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दी। इस पर उन्होंने कांग्रेस की पीठ में छुरा भोंकने का काम करते हुए चहेते शंकर गुर्जर को निर्दलीय चुनाव लड़ाने का काम कराया और कांग्रेस के सदस्यों पर दबाव डालकर शंकर गुर्जर के पक्ष में वोट डलवाए। शंकर गुर्जर पिछली बार उप प्रधान थे, इस बार कांग्रेस के सिंबल पर ही चुनाव लड़ा था।

राजी देवी का आरोप है कि पूर्व विधायक अशोक बैरवा की पत्नी आशा बैरवा को इसी चुनाव में पार्टी ने जिला प्रमुख बनाया है, उनके बेटे मयंक को खंडार पंचायत समिति से प्रधान बनाया है। इन दोनों में चुनाव में कांग्रेस के सदस्यों ने कोई क्रॉस वोटिंग नहीं की, सिर्फ़ चौथ का बरवाड़ा पंचायत समिति में शंकर गुर्जर को प्रधान का प्रत्याशी नहीं बनाने पर उन्होंने पार्टी के साथ ही ग़द्दारी कर डाली।

जिस परिवार को कांग्रेस ने जिला प्रमुख और प्रधान की कुर्सी सौपी, वो ही इस तरह से पार्टी से गद्दारी करेंगे, इसकी उम्मीद नहीं थी। राजी देवी ने बताया कि कुल 21 वार्डो में से उन्हें सिर्फ ख़ुद का एक वोट मिला, जबकि बीजेपी को छह वोट मिले। ज्ञात रहे कि चौथ का बरवाड़ा पंचायत समिति में कांग्रेस को 14, बीजेपी को 3, बसपा और निर्दलीय 2-2 सीटों पर जीत मिली थी।

